अवधपति बोले हनुमत से | By Rahul Rana & Kuldeep Nirmal Titu |

अवधपति बोले यूँ मुख से,
सुनो वीर हनुमान,
वर्षों बाद पड़ा है तुमसे,
एक ज़रूरी काम।
धरती पर मानव जाति यूँ,
कर रही हाहाकार,
तुम्हारे कंधे पर धरता,
उनके जीवन का भार।
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली,
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली॥

राम रसिक तुम राम नाम,
जपने वालों के सहारे,
राम नाम जो बोले मुख से,
लगते तुमको प्यारे।
राम नाम के सुमिरन से ही,
सुखी हो ये संसार,
तेरे होते हो नहीं सकती,
मेरे भक्तों की हार।
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली,
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली॥

आपकी आज्ञा सिरोधार्य है,
संकट कटें सारे,
संकटमोचन नाम दिया प्रभु,
आपने जग ये उचारे।
राम नाम जिनके मुख हो,
उनका बेड़ा हो पार,
कहते यूँ हनुमान करेंगे,
जन जन का कल्याण।
जय बजरंगबली,
करेंगे सबकी भली,
जय बजरंगबली,
करेंगे सबकी भली॥

अवधपति बोले यूँ मुख से,
सुनो वीर हनुमान,
वर्षों बाद पड़ा है तुमसे,
एक ज़रूरी काम।
धरती पर मानव जाति यूँ,
कर रही हाहाकार,
तुम्हारे कंधे पर धरता,
उनके जीवन का भार।

कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली,
कि तुम वहाँ बैठे बली,
करो हर एक की भली ॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b5%e0%a4%a7%e0%a4%aa%e0%a4%a4%e0%a4%bf-%e0%a4%ac%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-rahul-rana-kuldeep-nirmal-titu/